

1996 Israel Award



1997 Israel Award



डॉ. ए. के. मिश्रा अल्प परिचय

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है। ईजीप्ट, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशों में कृषी सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलों के कृषी सलाहकार के रूप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइज़र्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाइज़र्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख रूपे कार्यरत है। डॉ. मिश्रा का मुलाकात दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई में कृषी सलाहकार १८०० दफा प्रसारित हुआ है। डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ट अवार्ड मिला हुआ है। डॉ. मिश्रा गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिग-झेग पद्दति के रूप में जाना जाता है। टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्दति की खोज उनकी देन है।

फसल : गेहू - जव (WHEAT & BARLEY)

बीज का चयन:

प्रगतीशील किसान भाईयो को हमेशा अच्छे बीजका चयन हेतु स्थानिक कृषी युनीवर्सिटी द्वारा संशोधित हाइब्रीड बीजो का चुनाव करना चाहिए तथा सीड ट्रीटमेंट करने के बाद ही बीज खेत में बोना चाहिए।

बीज बोने से पहले खेत की तैयारी:

खेतमें गेहू अथवा जव का बीज डालने से १५ दिन पहले फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फॉस्फेट रिच सेन्द्रीय खाद (प्रोम) - १००किलो + मोफका सेन्द्रीय पोटास १५ किलो + १ किलो फर्टोमिटोड को मिला कर खेत में भुरकाव करने के दूसरे दिन मोफका दानेदार एन.पी.के. 12:32:16 या 20:20:00 -३००किलो + ईकोफर्ट - १०० किलो + 20 kg माईक्रो-फर्ट -१५ किलो +मोफका जिंक सल्फेट - ३३%-३० किलो प्रति एकर मान से खेत की भूरकाव करने के बाद, ट्रेक्टर से जुताई करके, रोटावहेटर फीराकर खेत को समतल करने के बाद, लाइन में गेहू अथवा जव का बीज डालने के बाद हल्का पानी देना चाहिए।

बीजो डालने से २०वे दिन:

- ❖ फर्टोनिक-२०० (रुट बायो केमिकल्स 50 ml) + 50 ml फर्टोनिक - १००० (स्ट्रेंथ बायो - केमिकल्स - 50 ml) + 15 ml - फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50 ml का अच्छी प्रकार से मिलाकर प्रति सीकर पंप के मान से पौधों पर अच्छी तरह छिडकाव करें।
- ❖ प्रथम छिडकाव के १५ दिन बाद फर्टोनिक -२००-५० मि.ली. + फर्टोनिक -१०००-५० मि.ली. + फर्टीस्टीको १५ मि.ली. + नीमाडोल - 50ml का अच्छी तरह से घोल बनाकर पूरी फसल पर छिडकाव करें। इसी मान से प्रत्येक १५ वे दिन फसल की कटाई होने तक करते रहना चाहिए।



डॉ. ए. के. मिश्रा

(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग